# अनुक्रमणिका


**भूमिका** **i-iii**

**अध्याय-1. आठवें दशक का युगबोध और प्रगतिशील हिंदी कविता** **1-27**

1.1 युगबोध तथा उसके तत्त्व

1.2 आठवें दशक के विविध युगबोध

1.3 प्रगतिशील साहित्य की अवधारणा

1.4 आठवें दशक की प्रगतिशील हिंदी कविता का स्वरूप

**अध्याय-2. कवि नागार्जुन का राजनीतिक बोध** **28-48**

2.1 नागार्जुन का राजनीतिक व्यंग्य

2.2 'खिचड़ी विप्लव देखा हमने' : राजनीतिक चेतना का दस्तावेज़

**अध्याय-3. जे. पी. आंदोलन की दशा एवं दिशा** **49-70**

3.1 'संपूर्ण क्रांति' की संकल्पना और जय प्रकाश नारायण

3.2 जे. पी. आंदोलन का परिदृश्य और उसका परिणाम

**अध्याय-4. जनकवि नागार्जुन और जे. पी. आंदोलन** **71-82**

4.1 'खिचड़ी विप्लव देखा हमने' और जे. पी. आंदोलन

4.2 नागार्जुन के साक्षात्कार और जे. पी. आंदोलन

**उपसंहार** **83-84**

**संदर्भ ग्रंथ-सूची** **85-87**